NT>

12.53 hrs.

Title: Regarding delay in releasing MPLAD funds by the District Magistrate, Itawah, Uttar Pradesh.

श्री रघुराज सिंह शाक्य (इटावा) : अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल आपके माध्यम से सदन में रखना चाहता हूं। तेरहवीं लोकसभा का तीन वर्ा से भी ज्यादा का समय व्यतीत हो चुका है। इटावा जिले के लिए सांसद निधि में छः करोड़ दिए गए हैं और जिले के विकास के लिए 156 प्रस्ताव दिए गए हैं। जिले के सभी प्रस्ताव अधूरे पड़े हुए हैं, एक भी काम पूरा नहीं किया गया है। जिला अधिकारी और जिला प्रशासन मनमाने रवैये के कारण सभी प्रस्तावों को रोक कर रखे हुए हैं, कोई भी काम नहीं हो रहा है। नियमों में है कि सासंद जो भी प्रस्ताव देंगे, उनको 45 दिनों के अन्दर पूरे किए जायेंगे, लेकिन तीन वर्ा से ज्यादा का समय व्यतीत हो चुका है और सारे काम अधूरे पड़े हुए हैं। इसके साथ ही जो नए प्रस्ताव दिए जा रहे हैं, उन प्रस्तावों को भी लागू नहीं किया जा रहा है, स्वीकृत नहीं किया जा रहा है। यह मामला बहुत ही महत्वपूर्ण है और मैं आपके माध्यम से सदन में उठा रहा हूंâ€¦ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रस्ताव रखा है, वह बिलकुल सही है। हर काम अधूरा पड़ा हुआ है। वे पैसा बैंक में जमा करते हैं और उनके सूद से नई-नई गाड़ियां खरीद कर घूमने का काम करते हैं। संसदीय क्षेत्र के विकास पर पैसा खर्च नहीं किया जाता है। मेरा निवेदन है कि कोई ठोस आदेश दिया जाना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : महोदय, यह मामला मेरे गृह जनपद इटावा से संबंधित है, जहां से हम आठ बार लगातार विधायक रहे हैं । यह वही क्षेत्र है, जहां से श्री रघुराज शाक्य एमपी हैं। हमने स्वयं जिला अधिकारी से तीन बार अनुरोध किया। आस-पास के सारे जिलों का एमएलए और एमएलसी का जो पैसा है,

वह सब रिलीज़ हो गया। इटावा को छोड़ कर आस-पास के जनपदों में सब को रिलीज़ कर दिया गया है। इटावा के डी.एम. ने हमारे कई साथियों से कहा है कि आप कुछ भी कर लीजिए, लेकिन हम किसी भी कीमत पर सांसद एवं विधायक निधि रिलीज नहीं करेंगे, मुलायम सिंह ने भी शिकायत की है। अध्यक्ष महोदय इसलिए हमारी प्रार्थना है कि इसे विशेाधिकार समिति के सुपुर्द कर दिया जाए और आप तत्काल आज ही शाम तक इसकी जांच करा लीजिए। इतने दिनों से पैसा रिलीज़ क्यों नहीं किया गया, ये पैसे कहां रखे हुए हैं? इसके पीछे असली कारण यह है कि अगर डी.एम. और सी.डी. ओ को 15 फीसदी से 25 फीसदी तक कमीशन मिल जाए तो ये शाम तक पैसा रिलीज़ कर देंगे।â€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदय, यह आपसे संबंधित मामला है, आपकी कृपा से सब कुछ होगा। आप इसमें हस्तक्षेप करें, यह तो औपचारिकता होती है। â€¦ (व्यवधान) यह जितना कह सकते थे, उतना इन्होंने कह दिया और इन्होंने ठीक कहा है, हम उस पर एतराज नहीं करते। â€¦ (व्यवधान) महोदय, इसमें आपको िवशेा तौर पर हस्तक्षेप करना पड़ेगा, आप इसमें हस्तक्षेप कीजिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मंत्री जी, इस पर आप कुछ कहना चाहेंगे?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोा कुमार गंगवार) : अध्यक्ष महोदय, इसे विजय गोयल जी देखते हैं। इस संबंध में मेरी जानकारी में ऐसा है कि जो भी शिकायतें आती हैं, उन्हें देखा जाता है और उनका निस्तारण भी किया जाता है। मैं विजय गोयल जी से इस बारे में कहूंगा।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, आपने जो बात कही है, उसे मैंने सुना है और मैं खुद भी इस विाय में मंत्री जी से बात करूंगा।